हिन्दुस्तान

## जैव विविधता संरक्षण को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का किया गया आयोजन, वक्ताओं ने रखे अपने-अपने विचार

# प्रत्येक प्रजाति को अपने अस्तित्व का अधिकार

**कार्यशाला**

कटोरिया (बांका), निज प्रतिनिधि। कटोरिया वन विश्राम गृह में मंगलवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के अध्यक्ष आईएएस भारत ज्योति, उपनिदेशक मिहिर कुमार झा, प्रधान एसीएफ अमरेंद्र कुमार, डीएफओ शिखर प्रधान सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप जलाकरकर किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में कटोरिया, चांदन, बेलहर, बांका, फुल्लीडूमर एवं शंभूगंज प्रखंड के जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला के माध्यम से ग्राम पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति का क्षमता विकास किया गया। कार्यशाला में डिजिटल माध्यम से चित्र, लघु फिल्म आदि प्रसारित कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन के लाभ और हानि के विषय में जानकारी दी गई। पर्षद के अध्यक्ष ने कहा कि जैव विविधता मौलिक रूप से महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रजाति का अपना मूल्य है और उसे अस्तित्व का अधिकार है, चाहे वह मनुष्यों के लिए मूल्यवान हो या न हो। कहा कि भावी पीढ़ी के लिए जैव विविधता को बचना होगा। विभिन्न प्रकार के पौधे, जीव, जंतु मानव जीवन का हिस्सा है। इसी पर परिवार, समुदाय, राष्ट्र निर्भर रहता है। हरे भरे पेड़ पौधे, जीव, जन्तु, हवा, पानी, मिट्टी, पहाड़, नदियां, झरने, सागर ये सब प्रकृति के ऐसे उपहार हैं जो मानव जीवन के विकास के लिए जरूरी है।

प्रकृति की यही असाधारण भिन्नता ही जैव विविधता कहलाती है। उपनिदेशक ने कहा कि जैव विविधता प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है जो हमें जीवन का आधार प्रदान करता है। जैव विविधता हजारों वर्षों से चले आ रहे विकास की देन है। पृथ्वी पर सभी जैव प्रजातियां मूल्यवान है। सभी की अपनी अलग-अलग भूमिका होती है जो प्रकृति को संतुलित बनाए रखने में अपना योगदान देती है। इस मौके पर रेंजर राजेश कुमार, रेंजर आशीष कुमार सिंह, प्रभारी प्रमुख सुरेंद्र यादव, पूर्व उपप्रमुख सुमन सिंह सुमन सहित काफी संख्या में वन विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रकृति प्रेमी मौजूद थे।

**विलुप्त हो रही प्रजातियों को बचाने की अपील:** कार्यशाला में साल दर साल विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों को बचाने की अपील की गई। मौके पर क्षेत्र में देशी गाय की संख्या में हो रही कमी एवं उसके संरक्षण के बारे में बताया गया। पिछले कुछ वर्षों में गौरैया, चील, बगुला, तोता आदि क्षेत्रीय पक्षियों क्यों विलुप्त होने के कगार में है और उसे कैसे संरक्षित किया जा सकता है, इसकी जानकारी दी गई। फसल परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण आदि जैव विविधता के लिए खतरनाक बताया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते जैव विविधता पर्षद अध्यक्ष, उपनिदेशक व अन्य।

मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में मौजूद अतिथि। • हिन्दुस्तान

- प्रकृति की यही असाधारण भिन्नता ही जैव विविधता कहलाती है : उपनिदेशक
- कटोरिया में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से हुई कार्यशाला

### किसानों को दी गई सरकारी योजनाओं की जानकारी

कार्यशाला में किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। साथ ही मछली पालन, पशुपालन, समेकित खेती, मोटे अनाज की खेती एवं वैज्ञानिक खेती के बारे में भी बताया गया। बताया गया कि पक्षियों का मल मछलियों के लिए चारा का काम करता है। बताया गया कि अगर पशु व पक्षियों को सही खाना या स्वस्थ्य माहौल नहीं मिला तो वह उस जगह को छोड़ देंगे। वक्ताओं ने कहा कि किसान सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक उन्नति कर सकते हैं।